मुद्रित पृष्ठों की कुल संख्या-04

परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्था, मुंबई

Atomic Energy Education Society

Session: 2023-24

कक्षा दसवीं विषय: हिंदी (द्वितीय भाषा)

Class: 10 Subject: Hindi (2nd Language)

अभ्यास पत्रक संख्या: 1

पाठ का नाम: पद – (सूरदास) पर आधारित----

विषयाध्यापक का नाम: श्री हरि शंकर त्रिपाठी

प्रश्न:1- निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए:- (1 × 5 = 5)

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।

समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए।

इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।

बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग- सँदेस पठाए।

ऊधौ भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए।

अब अपनै मन फेर पाइहैं, चलत जु हुते चुराए।

ते क्यों अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।

राज धरम तो यहै 'सूर' जो प्रजा न जाहिं सताए।।

1- उपर्युक्त पद्यांश की भाषा निम्नलिखित में से क्या है?

(क) अवधी। (ख) ब्रजभाषा (ग) राजस्थानी (घ)खड़ी बोली।

2- किसने राजनीति पढ़ ली है?

(क) उद्धव ने (ख) कवि ने (ग) गोपियों ने (घ) श्री कृष्ण ने।

3- 'बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी'---- गोपियों ने श्री कृष्ण के बुद्धि के विषय में क्या कहा है?

(क) बुद्धि बढ़ गई है। (ख) बुद्ध कम हो गई है।

(ग) बुध का प्रयोग नहीं किया। (घ) बुद्धि का प्रयोग किया है।

4- गोपियों के अनुसार श्री कृष्ण ने उद्धव को कौन-सा ग्रंथ पढ़ाया है?

(क)योग संबंधी ग्रंथ (ख)धर्म संबंधी ग्रंथ (ग)राजनीति संबंधी ग्रंथ (घ)साहित्य संबंधी ग्रंथ।

5- गोपियाँ श्रीकृष्ण को राजा का क्या कर्तव्य याद दिलाती हैं?

(क) राजा के द्वारा प्रजा को समझाना (ख) राजा द्वारा प्रजा से बातचीत करना

(ग) राजा द्वारा प्रजा की बात सुनना (घ) राजा द्वारा प्रजा को ना सताना।

प्रश्न:2- निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :-

ऊधौ तुम हौ अति बड़भागी।

अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।

पुरइनिपात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।

ज्यौं जल माँह तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।

प्रीति-नदी में पाउँ ना बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी।

'सूरदास' अबला हम भोरी गुर चाँटी ज्यौं पागी।।

1- गोपियों ने बड़भागी किसे कहा है?

(क) उद्धव को। (ख) कृष्ण को (ग) बलराम को। (घ) स्वयं को।

2- स्नेह संबंधों के प्रति उद्धव के वैराग्य को किन उदाहरणों के द्वारा बताया गया है?

(क) कमल के पत्ते और प्रेम की नदी के उदाहरणों द्वारा

(ख) तेल लगी गागर और अपने प्रेम के उदाहरणों द्वारा

(ग) प्रेम नदी के उदाहरणों द्वारा

(घ) कमल के पत्ते और तेल लगी गागर के उदाहरणों द्वारा।

3- गोपिकाओं ने किसे 'भोरी' कहा है?

(क) स्वयं को। (ख) उद्धव को (ग) कृष्ण। (घ) कवि को।

4- 'गुर चाँटी ज्यौं पागी' --पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार निम्नलिखित में से क्या है?

(क) अनुप्रास। (ख) उपमा (ग) उत्प्रेक्षा। (घ) रूपक।

5- 'प्रीति-नदी' में कौन-सा अलंकार है?

(क) अनुप्रास अलंकार (ख) रूपक अलंकार

(ग) उपमा अलंकार (घ) अतिशयोक्ति अलंकार।

प्रश्न:3- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या अधिक से अधिक एक वाक्य में लिखिए:- (1 × 10 = 10)

(क) कृष्ण गोपियों को छोड़कर कहाँ चले गए थे?

(ख) सूरदास जी की भक्ति का स्वरूप क्या है?

(ग) हारिल की लकड़ी किसे कहा गया है?

(घ) गोपियों को योग कैसा लगता है?

(ङ) योग संदेश सुनकर गोपियों की क्या दशा हुई?

(च) गोपियाँ अपने तन-मन की व्यथा किस आशा में सहन कर रही थीं?

(छ) कौन-सा पक्षी जब उड़ता है तो अपने पंजे में एक लकड़ी पकड़े हुए रहता है?

(ज) गोपियों ने कृष्ण पर क्या पढ़ने का आरोप लगाया?

(झ) गोपियों ने मथुरा जाते समय कृष्ण पर क्या चुराने का आरोप लगाया ?

(ञ) गोपियों ने योग के संदेश को कैसी ककड़ी के समान बताया?

प्रश्न :4- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25 से 30 शब्दों में लिखिए:- (2×10 = 20)

(क) गोपियों के अनुसार एक अच्छे राजा का धर्म क्या होना चाहिए?

(ख) सूरदास के पठित पदों में किस रस के प्रधानता है और इसमें कौन-कौन से

मुख्य पात्र हैं?

(ग) गोपियाँ उद्धव की बातें सुनकर निराश क्यों हो गई?

(घ) गोपियों के मन की क्या इच्छा थी और वह अधूरी क्यों रह गई?

(ङ) 'हरि है राजनीति पढ़ि आए' इस पंक्ति का क्या आशय है?

(च) गोपियों ने योग शिक्षा कैसे लोगों को देने की बात कही है?

(छ) गोपी द्वारा उद्धव को भाग्यवान कहने में क्या व्यंग्य है?

(ज) कृष्ण के प्रति गोपियों ने अपने अनन्य प्रेम को किस प्रकार व्यक्त किया है?

(झ) गोपियों में योग की शिक्षा को किसके समान बताया और क्यों?

(ञ) गोपियों के पास ऐसी कौन-सी शक्ति थी जिसके सामने उद्धव जी को चुप रह जाना पड़ा?

प्रश्न :5- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 40 से 50 शब्दों में लिखिए:- (3 × 5 = 15)

(क) उद्धव द्वारा दिए गए योग संदेश ने गोपियों की विरह रूपी अग्नि में घी का काम कैसे किया?

(ख) गोपियों ने खुद को अबला और भोली क्यों कहा है?

(ग) गोपियों के मन में क्या इच्छा थी और वह अधूरी क्यों रह गई?

(घ) गोपियों ने 'व्याधि' किसे कहा है और क्यों?

(ङ) गोपियाँ रात-दिन किसके नाम की रट लगाए रहती हैं और क्यों?

प्रश्न:6- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 70 से 80 शब्दों में लिखिए:- (5 × 5 = 25)

(क) सूरदास के पदों को ध्यान में रखते हुए भ्रमरगीत की मुख्य विशेषताएँ लिखिए।

(ख) गोपियों ने यह क्यों कहा कि हरि अब राजनीति पढ़ आए हैं? क्या आपको गोपियों के इस कथन का विस्तार समकालीन राजनीति में नजर आता है, स्पष्ट कीजिए।

(ग) गोपियों का साधना के प्रति दृष्टिकोण को स्पष्ट करें।

(घ) 'मरजादा न लही' के माध्यम से गोपियों ने कौन-सी मर्यादा न रहने की बात कही है?

(ङ) गोपियों के वाक्चातुर्य की विशेषताएं अपने शब्दों में लिखिए।